No. of Printed Pages : 2

ई.एच.डी.-3

04843

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-3 : हिन्दी-साहित्य का इतिहास एवं साहित्य-परिचय

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या एक अनिवार्य है सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. रस का अर्थ स्पष्ट करते हुए काव्य में रस के महत्व पर प्रकाश डालिए। **20**

अथवा

काव्य में छन्द के महत्व का विवेचन कीजिए।

अथवा

अलंकार के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए काव्य में उसकी उपयोगिता का निरूपण कीजिए।

2. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा पर प्रकाश डालिए। **20**

3. भक्ति काल की परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए। **20**

IGNOU ASSIGNMENT GURU

4. कृष्ण भक्ति धारा के काव्य की प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए। 20

5. रीतिकालीन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिये। 20

6. आधुनिक हिन्दी साहित्य के आरम्भ की साहित्यिक पृष्ठभूमि का विवेचन कीजिए. 20

7. भारतेन्दु युगीन हिन्दी-साहित्य की विधाओं पर विचार कीजिए। 20

8. द्विवेदी-युग के काव्य की विशेषताओं पर-विचार कीजिए। 20

9. हिन्दी आलोचना के विकास पर निबन्ध लिखिए। 20

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। 10x2=20

(क) प्रेमचन्द युगीन उपन्यास

(ख) समकालीन हिन्दी कविता

(ग) स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कहानी

(घ) वीरगाथात्मक रासो काव्य

IGNOU ASSIGNMENT GURU